प्रखर सिद्धांतों पर आधारित पुणे और मुंबई से प्रकाशित एकमात्र हिंदी दैनिक

सिद्धांत समाचार

वर्ष १८ – अंक ७६ – शुक्रवार ४ अगस्त २०२३ पुणे RNI NO.MAH HIN/2005/15277 २ रुपए

siddhantsamachar.com @SiddhantSamachar facebook.com/siddhantsamachar siddhantsamachar@gmail.com

CAYM EDUCATION TRUST'S

SIDDHANT GROUP OF INSTITUTIONS

APPROVED BY AICTE, PCI - NEW DELHI, Affiliated to Savitribai Phule Pune University, MSBTE, RECOGNISED BY GOVT.OF MAHARASHTRA

"Empowering Students to Become Future Leaders....."

Admissions Open: 2023-2024

Courses offered by Siddhant Group of Institution.

COURSES		INTAKE	DTE CODE
Siddhant College Of Engineering*	Diploma (AI&ML, Electrical, Mechanical, E&TC, Computer, Civil)	360	6149
	B. E. (Mechanical, Computer, I.T., E&TC, Civil)	360	
	M.E. (E&TC (VLSI), I T, Computer, Design Engineering)	84	
Siddhant College of Pharmacy*	B. Pharmacy.	100	PH - 6258
	M. Pharmacy.	24	MPH -6258
	Diploma Pharmacy.	60	D - 6515
	Diploma Pharmacy [Women].	60	D - 6922
Siddhant College Of Management*	M. B. A. (Master of Business Administration)	180	6134
Siddhant College Of Computer Application	M. C. A. (Master of Computer Application)	120	6240
Siddhant International School	Nursery to XII (CBSE Affiliated)	-	-
Siddhant College of Management Studies*	B. B. A. – (Bachelor of Business Administrator)	80	----
	B. B. A. [C. A.] – (Bachelor of Computer Application)	80	----
	B.A. (Bachelor of Arts)	80	
	B.Sc. (Bachelor of Science)	80	----
	B. Com (Bachelor of Commerce)	80	----
	M. Com (Master of Commerce)	60	----
	Post Graduate Diploma in Banking & Finance	60	----
	Post Graduate Diploma in Taxation	60	

* NAAC Accredited Institutes. | 100% Placement Assistance | www.siddhantinstitutes.in

For Admission Assistance please Contact following numbers:

Pharmacy :	M.B.A.:	M.C.A. :	Management Studies:	Engineering. :
Mrs. Shanan Yadav 84688 55688	Dr. Pratap Pawar 9423270598	Prof. Nitin Shrirao 9850005059	Dr. Yogesh Patil 9689493733	Prof. Bhagwat Kedar 9923906993

- Boys & Girls Hostel Facility Available in Campus
- Transport Facility Available from various locations of Pune & Pimpri -Chinchwad & Khed

Address: Chakan – Talegaon Road., Near Chakan Auto Hub, Sudumbare, Pune, 412109

भारत में टिकाऊ और उत्पादक गन्ने की खेती को बढ़ावे के लिए यूपीएल एसएएस ने ओलम एग्री के साथ मिलाया हाथ

टिकाऊ कृषि उत्पादों और समाधानों की वैश्विक प्रदाता, कंपनी यूपीएल सस्टेनेबल एग्रीकल्चर सॉल्यूशंस लिमिटेड (यूपीएल एसएएस) ने 'शाश्वत मिठास' पहल के माध्यम से पूरे भारत में घ्गन्ना उत्पादन के लिए खाद्य और कृषि व्यवसाय आपूर्तिकर्ता ओलम एग्री के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। परियोजना का लक्ष्य ओलम शुगर मिल (चन्नहट्टी–राजगोली, कोल्हापुर, महाराष्ट्र) के जलग्रहण क्षेत्र के किसानों को प्रति एकड़ उपज में 15: की वृद्धि और अतिरिक्त आय का फायदा देना है। परियोजना का लक्ष्य कुशल सिंचाई पद्धतियों को अपनाकर पानी के उपयोग को 30: तक कम करना और उर्वरक की खपत में 25: की कटौती करना है, साथ ही फसल की पैदावार बढ़ाना और मिट्टी की सेहत में सुधार करना है। इस साझेदारी के माध्यम से, किसानों को समाधान और सेवाओं के समग्र पैकेज के साथ समर्थन दिया जाएगा। जिसमें प्रोनुटिवा पैकेज के हिस्से के रूप में यूपीएल की जलवायु–स्मार्ट तकनीक जेबा, अच्छी कृषि पद्धतियों (जीएपी) में प्रशिक्षण, मशीनीकरण और ट्रेसेबिलिटी सुनिश्चित करने के लिए पोषण.फार्म प्लेटफॉर्म तक पहुंच शामिल है। इस समाधान के प्रभाव और फायदे दिखाने के लिए अब तक 25 मॉडल प्लॉट स्थापित किए गए हैं। यूपीएल एसएएस के सस्टेनेबिलिटी हेड हर्षल सोनवाने ने कहा: 'यूपीएल एसएएस में हम सभी के लिए एक हरित और अधिक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पैकेज किसानों को बेहतर उत्पादकता और ज्यादा मुनाफा देगा साथ ही पर्यावरण को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा। बाजार में गन्ने की कमी को दूर करने के लिए यह साझेदारी फसल उत्पादन की दीर्घकालिक स्थिरता को आगे बढ़ाते हुए सभी को फायदा दिलवाने के लिए तैयार है। ओलम एग्री के बिजनेस हेड भरत कुंडल ने कहा: ओलम एग्री का मकसद वैश्विक कृषि और खाद्य प्रणालियों को नए सिरे से तैयार करना है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारे गन्ना किसानों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना महत्वपूर्ण है। सहयोगात्मक प्रयासों और नवाचार को अपनाने के माध्यम से, हम किसानों और संपूर्ण कृषि पारिस्थितिकी तंत्र पर स्थायी प्रभाव लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम का प्रारंभिक चरण अपने पहले वर्ष में 2,000 एकड़ को कवर करेगा। इसके 70,000 एकड़ के जलग्रहण क्षेत्र में विस्तार की संभावना है।

सिद्धांत समाचार
शुक्रवार ४ अगस्त २०२३

चीन की साख पर एक और धब्बा

यदि किसी देश का विदेश मंत्री एकाएक गायब हो जाए तो यह निश्चित ही एक बड़ी चिंता का विषय होगा। हालांकि, चीन में यह बड़ी सामान्य सी घटना है। विदेश मंत्री रहे छिन कांग के साथ बीते दिनों कुछ ऐसा ही हुआ। चीनी सत्ता के गलियारों में कांग जितनी तेजी से उभरकर सामने आए थे, उतनी ही तेजी से वह गायब हो गए। उनके स्थान पर पूर्व विदेश मंत्री वांग यी को आनन–फानन में विदेश मंत्री नियुक्त किया गया। चीन में इससे पहले भी मशहूर हस्तियों के अचानक गायब होने की घटनाएं बहुत आम रही हैं, लेकिन कांग का मामला बहुत खास है। वह न केवल गायब हो गए, बल्कि सार्वजनिक जीवन से जुड़ा उनका ब्योरा भी मिटाया जा रहा है। यानी चीन की निरंकुश सत्ता उनके अस्तित्व को ही झुठलाने के प्रयास में लगी है। कम्युनिस्ट शासन में आलोचकों की दुर्गति कोई नई बात नहीं, लेकिन इतने बड़े स्तर पर सक्रिय व्यक्ति के साथ हुई यह घटना बड़ी संदिग्ध ा स्थिति की ओर संकेत करती है। कांग वैश्विक स्तर पर चीन का प्रमुख चेहरा बने हुए थे। वह अमेरिका में चीन के राजदूत भी रहे। जिस दौर में अमेरिका और चीन के संबंधों में गिरावट आनी शुरू हुई उस दौरान इन रिश्तों को संभालने में कांग ने बड़ी सक्रिय भूमिका निभाई। विदेश मंत्री के रूप में भी उन्होंने कुछ दिन पहले ही अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन के साथ भी मुलाकात की थी। ऐसे में मात्र सात महीनों में विदेश मंत्री के पद से कांग की विदाई कई सवाल खड़े करती है। इससे चिनफिंग शासन को लेकर अस्थिरता की धारणा और मजबूत होगी, क्योंकि कांग राष्ट्रपति के बहुत करीबी माने जाते थे। वह विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रहे तो चिनफिंग के विदेश दौरों का प्रबंधन भी किया करते थे। कांग को हटाने के नाम पर चीन ने एक तरह से किसी कानूनी आवरण की आड़ में लीपापोती करने का ही काम किया है, लेकिन उन्हें हटाने की स्पष्ट वजह नहीं बताई। ऐसे में इसे लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। एक कारण तो उनकी बढ़ती लोकप्रियता बताई जा रही है जिससे राष्ट्रपति शी चिनफिंग असहज हो रहे थे। यह भी कहा जा रहा है कि अमेरिका में राजदूत रहने के दौरान से ही वाशिंगटन के साथ उनकी कड़ियां काफी मजबूती से जुड़ी रहीं और इस कारण भी चीनी सत्ता प्रतिष्ठान में उन्हें संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा था। हांगकांग की एक महिला पत्रकार के साथ उनका कथित अफेयर भी उन्हें हटाने की एक वजह गिनाई जा रही है। इसमें चाहे जो भी सच हो या न हो, लेकिन एक बात तो तय है कि इससे वैश्विक स्तर पर चीन की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कोविड के बाद चीन जिस तेजी से वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक सक्रियता दिखा रहा था, कांग की विदाई से उस पर असर पड़ना तय है। चीन को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में पहले से ही तमाम संदेह रहे हैं। इस नए घटनाक्रम से उन्हें और बल मिलेगा। कांग किस देश के साथ किस स्तर पर सक्रिय थे, उस सक्रियता को नए सिरे से शुरू करना होगा। स्वाभाविक है कि तमाम अंशभागियों में इसे लेकर असहजता होगी। एक ऐसे दौर में जब चीन तमाम आंतरिक एवं बाहरी चुनौतियों से जूझ रहा है तब कांग को हटाने का कदम उसकी मुश्किलों को और बढ़ाने का काम करेगा। चीन की अर्थव्यवस्था इस समय सुस्ती की शिकार है। अमेरिका और पश्चिमी यूरोपीय बाजारों में इस समय मांग में कमी का सिलसिला जारी है। यही बाजार चीन की निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्था के प्रमुख खरीदार हैं। आंतरिक स्तर पर भी चीन में विरोध के स्वर मुखर हो रहे हैं, जिनकी अभिव्यक्ति कोविड महामारी के दौर में ही शुरू हो गई थी। हालांकि, चीन से बहुत ज्यादा खबरें बाहर नहीं जा पातीं, लेकिन छिपते–छिपाते जो भी खबरें आ पाती हैं उनसे आंतरिक खटपट के संकेत जरूर मिलते हैं। इन परिस्थितियों में वैश्विक महाशक्ति बनने की चीन की आकांक्षाओं को झटका लग सकता है, क्योंकि विदेश मंत्री के साथ इस प्रकार का व्यवहार कई तरह से प्रभाव डालेगा। अमेरिका के साथ बढ़ रही तल्खी के कारण पिछले कुछ समय से चीन ने यूरोपीय देशों को लुभाने के प्रयास किए, लेकिन ऐसी तमाम कोशिशों के बावजूद वह यूरोप के देशों को अमेरिकी खेमे से दूर करने में नाकाम रहा। उलटे इस दौरान अमेरिका और ब्रिटेन ने आस्ट्रेलिया के साथ मिलकर आकस जैसे एक त्रिपक्षीय गठजोड़ को आकार दिया। फ्रांस और जर्मनी जैसे देश भी चीन की पहुंच से दूर हैं। इधर अमेरिका और भारत के बीच बढ़ती गर्मजोशी चीन को चिंतित किए हुए है। अपनी सुस्त पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए वह भारत को साधना तो चाहता है, लेकिन अपनी आदतों से बाज भी नहीं आ रहा। एक ओर चीन बाली में हुए जी–20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की वार्ता का हवाला देकर द्विपक्षीय संबंधों को लेकर अपना राग अलाप रहा है तो दूसरी ओर भारतीय खिलाड़ियों के लिए नत्थी वाजी जारी कर अपनी बदनीयती भी जाहिर कर रहा है। इससे चीन का वही पुराना दोहरा रवैया जाहिर होता है। अच्छी बात है कि सरकार चीन के इस खेल में फंसने से बच रही है और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में फिर दोहराया कि भारत–चीन संबंध अच्छी स्थिति में नहीं हैं और उसका एक बड़ा कारण सीमा पर चीन की खुराफात है। भारत ने 2020 से ही स्पष्ट किया हुआ है कि जब तक चीन सीमा पर अपना रवैया नहीं सुध ारता तब तक उसके साथ किसी भी प्रकार की रचनात्मक वार्ता संभव नहीं है। नत्थी वीजा का मुद्दा एक बार फिर से यही रेखांकित करता है कि भारत के साथ संबंधों को लेकर चीन निश्चित नहीं है कि उसे किस राह पर आगे बढ़ना है। एक ओर तो वह भारत को अमेरिका का भय दिखाकर उसके साथ सहभागिता बढ़ाने की बात करता है तो दूसरी ओर कभी अरुणाचल का मुद्दा छेड़कर या मनमाने तरीके से भारतीय इलाकों के नाम बदल देता है तो कभी नत्थी वीजा का अनावश्यक पैंतरा चलता है।

भूमि को उपजाऊ बनाने की चुनौती

इन दिनों बाढ़ और बारिश से देश का एक बड़ा हिस्सा जलमग्न है। इसमें एक अंश खेती योग्य जमीन का भी है। अभी तो पानी की अधिकता है, लेकिन जब फसलों की सिंचाई का वक्त आता है तो पानी की कमी देखी जाती है और किसान नहरों में पानी आने का इंतजार करते हैं या फिर भूजल का दोहन करते हैं। भारत में बड़े पैमाने पर नहरों से सिंचाई पिछले सात–आठ दशकों से हो रही है। नहर–नालियों से होकर पानी जब खेतों में पहुंचता है तो अपने साथ कई तरह के लवण और विशेष रूप से सोडियम क्लोराइड यानी नमक भी कृषि भूमि पर ला छोड़ता है। भूजल में भी सोडियम क्लोराइड होता है। कहीं–कहीं तो कुछ ज्यादा ही, जो भूमि की उपजाऊ शक्ति घटाता है। नहरों के पानी या भूजल से आने वाले लवण मिट्टी की ऊपरी सतह में ही रह जाते हैं। इनकी मात्रा बढ़ती जाती है, क्योंकि उसे निकालने की कोई व्यवस्था नहीं है। जिन खेतों पर दशकों से सिंचाई हो रही हो, वहां लवणता की समस्या विकराल रूप लेती जाती है और भूमि की उत्पादन क्षमता घटने के साथ वह ऊसर बन जाती है। इस तरह के उदाहरण विभिन्न राज्यों की कृषि भूमि पर प्रायः देखे जाते हैं। चूंकि तटीय क्षेत्रों पर समुद्री तूफान, चक्रवात आदि का प्रकोप प्रायः होता रहता है इसलिए वहां समुद्री पानी, जो अत्यंत खारा होता है, भूमि की उत्पादन क्षमता एक–दो दिन में ही समाप्त कर देता है। इसके लिए एकमात्र निदान उपसतही जलनिकासी प्रणाली यानी सब–सर्फेस ड्रेनेज सिस्टम है। यह एक तरह की तकनीक है, जिसमें कई तरह की नालियां होती हैं। इन नालियों के माध्यम से भूमि से लवण को बाहर किया जाता है। चार दशक पहले इस तकनीक के नेटवर्क को सिर्फ मजदूरों की मदद से स्थापित किया जाता था। आज उन्हें पूर्णतः मशीनों की मदद से तेज गति से स्थापित किया जाने लगा है। इस लवणीय भूजल का प्रयोग झींगा संवर्धन के उपयोग में लाया जा सकता है। कृषि विज्ञानियों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित उपसतही जलनिकासी तकनीक लवणता से ग्रस्त भूमि अथवा खारी मिट्टी वाली अनुपजाऊ भूमि को दो–तीन वर्ष में ही उपजाऊ बना देती है। बीते दशकों में नीदरलैंड की मदद से हरियाणा और कनाडा की मदद से राजस्थान में इस तकनीक का प्रयोग कर दोनों राज्यों में 20 से 40 हजार हेक्टेयर लवणता ग्रस्त एवं जलभराव से प्रभावित भूमि को कृषि योग्य बनाया गया। कृषि विज्ञानियों के शोध में यह ज्ञात हुआ कि जिन लवणता ग्रस्त खेतों पर उत्पादकता 500 किग्रा प्रति हेक्टेयर होती थी, वहां पर उपसतही जलनिकासी तकनीक से कृषि उत्पादकता 2000–2500 किग्रा प्रति हेक्टेयर हो गई। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि भारत में लवणता और जल भराव से प्रभावित क्षेत्रफल करीब 80–90 लाख हेक्टेयर है और आने वाले समय में यदि सही कदम नहीं उठाए गए तो यह क्षेत्रफल और अधिक बढ़ सकता है। यदि कृषि योग्य भूमि सुधार हेतु इस तकनीक का उपयोग समय से न किया जा सका तो समस्या विकराल रूप ले सकती है। इससे खाद्यान्न उत्पादन घट सकता है। भारत विश्व के 2.4 प्रतिशत भौगोलिक भूभाग एवं चार प्रतिशत जल संसाधन की मदद से अपनी अन्न संबंधी आवश्यकताएं पूरी कर रहा है। बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण भारत अब चीन से आगे निकलकर प्रथम स्थान पर आ गया है। बढ़ती जनसंख्या और घटती हुई उपजाऊ भूमि कृषक समुदाय की वर्तमान पीढ़ी एवं भावी पीढ़ी को भी चिंतित किए हुए है। कृषि व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों में असुरक्षा की भावना न रहे, इसके लिए सब–सर्फेस ड्रेनेज सिस्टम अपनाना आवश्यक है। इस मामले में वर्तमान सरकार द्वारा सृजित सहकारिता मंत्रालय की भूमिका बहुत प्रासंगिक और उपयुक्त होगी। मृदा लवणता से प्रभावित राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब आदि में उपसतही जलनिकासी तकनीक के प्रयोग से लाखों हेक्टेयर अनुपजाऊ भूमि की मिट्टी के स्वास्थ्य को सतत उपजाऊ बनाए रखा जा सकता है। वर्तमान सरकार कृषक समुदाय को आत्मनिर्भर करने के लिए प्रयत्नशील है। इसमें सफलता के लिए कृषि योग्य भूमि को उपजाऊ बनाए रखना आवश्यक है। भूमि की उपजाऊ शक्ति बनाए रखने के लिए सिंचाई एवं जलनिकासी तंत्र की अवसंरचना को 2015 से प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना ने बहुत सशक्त किया है, पर भूमि से लवण निकालने का अभ्यास बिल्कुल नहीं किया जा रहा है। स्पष्ट है कि भूमि सुधार को प्राथमिकता देना नितांत आवश्यक है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की सफलता को पूर्णता तब प्राप्त होगी, जब यह भी पता किया जाए कि किन–किन क्षेत्रों में मिट्टी की लवणता की समस्या गंभीर है। जहां कृषि उत्पादकता नगण्य हो गई हो, वहां कृषि भूमि को उपजाऊ बनाए रखने में एकमात्र उपाय उपसतही जलनिकासी तकनीक ही रह जाती है। इस तकनीक का इस्तेमाल नीदरलैंड, अमेरिका, कनाडा और पश्चिमी यूरोपीय देशों में किया जा रहा है। सहकारी व्यवस्था के तहत केंद्र एवं राज्य सरकारों के प्रयासों से भूमि को उपजाऊ बनाने का काम आरंभ करना बहुत सुगम होगा। कृषि भूमि को उपजाऊ बनाने की इस परियोजना में औसतन 1.5 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की लागत आ सकती है। यह हमेशा लाभकारी सौदा ही होगा, क्योंकि भूमि अधि ग्रहण में एक हेक्टेयर भूमि का मुआवजा लगभग ढाई से तीन करोड़ रुपये देना पड़ता है। भूमि सुधार के इस कार्यक्रम के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त किया जा सकता है। इससे उपजाऊ कृषि भूमि की उपलब्धता बढ़ जाएगी और भूमि अधिग्रहण कानून बनाने में भी आसानी हो जाएगी।

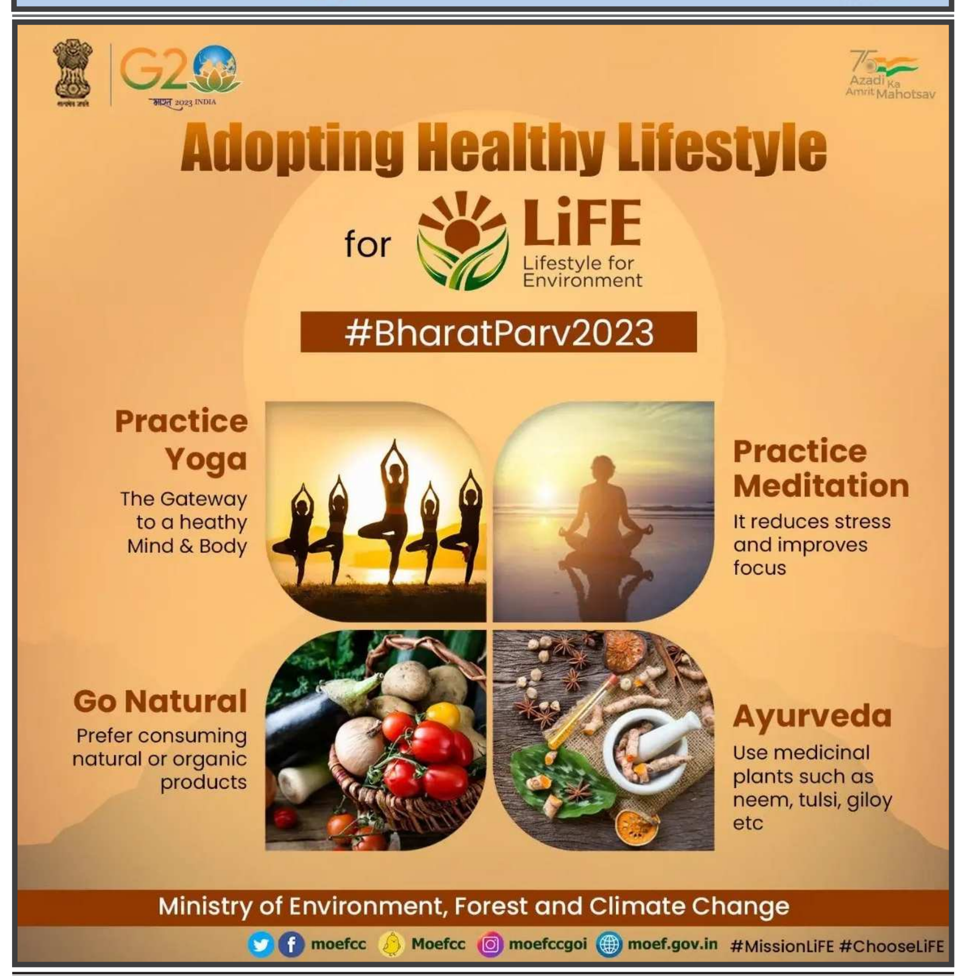

यह समाचार पत्र प्रकाशक, मुद्रक, मालिक व संपादक : श्री राजेंद्र सिंह यादव द्वारा, सिद्धांत ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, सुदंबरे, चाकन – तलेगांव रोड, पुणे – ४१२१०६ से प्रकाशित किया जाता है।
RNI NO.MAH HIN/2005/15277
www.siddhantsamachar.com / E-mail : siddhantsamacharpune@gmail.com / Phone : 9 8707 99 813
इस अखबार में छपी सभी खबरों के लिए संपादक सहमत है ऐसा नहीं। न्यायालयीन विवाद के लिए कार्यक्षेत्र पुणे रहेगा।

पीएम मोदी के साथ शरद पवार ने किया मंच साझा तो प्रकाश अंबेडकर को लगी मिर्ची

पुणे – अजित पवार ने 40 विधायकों के साथ बगावत कर दी है और एनसीपी में फूट पड़ गई है. पार्टी टूटने के बाद चार–पांच दिनों तक अजित पवार गुट और शरद पवार गुट एक–दूसरे पर आरोप लगाते रहे. लेकिन इसके बाद दोनों गुटों के नेता शांत हो गये हैं. दोनों गुटों के नेता विधान भवन क्षेत्र में हंसते–बतियाते या एक–दूसरे को गले लगाते नजर आ रहे हैं. पार्टी के इस रुख से दोनों गुटों की भूमिका को लेकर लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है. इस बीच, एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार मंगलवार (1 अगस्त) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुरस्कार समारोह में शामिल हुए. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस और उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी मौजूद थे. इस कार्यक्रम में शरद पवार की मौजूदगी से महाविकास अघाड़ी के नेताओं की भौंहें चढ़ गई हैं. पीएम मोदी के साथ शरद पवार के मंच साझा करने से वंचित बहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश अंबेडकर को लगी मिर्ची और शरद पवार की आलोचना कर डाली. प्रकाश अंबेडकर ने एक मीम शेयर कर शरद पवार की आलोचना की है. उन्होंने एक ट्वीट में कहा, ''जब आप किसी चीज को अलग–अलग नजरिए से देखते हैं, तो आपको एहसास होता है कि 'गोर्मेट आंटी' सही थी. यदि आप (शरद पवार) नफरत, जातिवाद और मौत के सौदागर (भाजपा) के साथ जाना चाहते हैं, तो आगे बढ़ें. लेकिन पक्षपातपूर्ण स्टंट करके महाराष्ट्र और भारत के लोगों को मूर्ख मत बनाओ. शरद पवार हमेशा दोमुंहे रहे हैं. वे एक से शादी करते हैं और दूसरे के साथ रहते हैं.

मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर कांच से लदा ट्रक पलटा

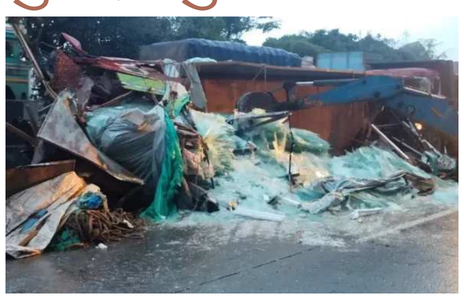

पुणे – मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर गुरुवार को भीषण हादसा हुआ। मुंबई जाने वाले लेन पर बोरघाट पुलिस चौकी के पास आज दो ट्रकों की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई। दुर्घटनाग्रस्त एक ट्रक में कांच लदा था, जो हादसे के बाद टूटकर व्यस्त हाईवे पर फैल गया। जिस वजह से कई घंटे तक एक्सप्रेसवे पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने बताया कि गुरुवार तड़के रायगढ़ जिले में मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार कांच से लदा ट्रक दूसरे ट्रक से टकराने के बाद पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रक चालक की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर तौर पर घायल हो गए। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के बाद मुंबई जाने वाली लेन पर वाहनों की आवाजाही कुछ घंटों के लिए प्रभावित रही। हादसे के बाद सड़क पर बिखरे कांच व ट्रक को हटाने के लिए सुबह 5.30 से 8.30 बजे के बीच एक्सप्रेसवे बंद कर दिया गया। हालांकि मुंबई जाने वाली लेन सुबह साढ़े आठ बजे के बाद यातायात के लिए खोल दी गई, लेकिन ट्रैफिक की वजह से आवाजाही काफी धीमी रही। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना तब हुई जब कांच का सामान ले जा रहा ट्रक खोपोली इलाके में एक्सप्रेसवे पर पीछे से दूसरे ट्रक से टकरा गया। इसके बाद अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में तीन लोगों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने पीड़ितों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि कांच से लदे ट्रक के चालक सदानंद पाटिल (43) ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

अवैध मोबाइल टॉवरों को जुर्माना लगाकर वैध किया जाएगा

पिंपरी – जैसे–जैसे मोबाइल, इंटरनेट नेटवर्किंग का उपयोग बढ़ा है, कंपनियों ने पिंपरी–चिंचवड़ शहर के विभिन्न इलाकों में बिल्डिंगों और शहरी इलाकों में मोबाइल टावर स्थापित किए हैं. वर्तमान में शहर में 923 मोबाइल टावर हैं, जिनमें से 390 अनधिकृत और 533 अधिकृत हैं. कोर्ट के मोबाइल टावर न तोड़ने के निर्देश के कारण मनपा कोई कार्रवाई नहीं कर पा रहा है. हालांकि, उसी अनाधिकृत टावर को तय जुर्माने के साथ अधिकृत किया जाएगा. जुर्माने की राशि तय करने का अधिकार मनपा आयुक्त को दिया गया है. जैसे–जैसे तकनीक का उपयोग दिन–ब–दिन बढ़ता जा रहा है, शहर में मोबाइल टावरों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है. शहर में 390 अनाधिकृत मोबाइल टावर हैं. अनाधिकृत टावरों के कारण मनपा को हर साल करोड़ों रुपए की अनुमति शुल्क और प्रॉपर्टी टैक्स का नुकसान हो रहा है. इसे रोकने के लिए मनपा ने अनाधिकृत मोबाइल टावरों को तय जुर्माने के साथ अधिकृत करने का निर्णय लिया है. अनाधिकृत टावरों को महाराष्ट्र प्रादेशिक और नगर रचना अधिनियम, 1966 के साथ–साथ विकास नियंत्रण नियमावली के अनुसार नियमों के उल्लंघन के मामले में समझौता शुल्क लगाकर ऐसे मामलों को नियमित करने की अनुमति है. इस तरह के एक प्रस्ताव को 19 मई, 1997 को मनपा सर्वसाधारण द्वारा अनुमोदित किया गया है. इस मामले में शुल्क के लिए दरें तय की गई हैं. यह दरें समय–समय पर बदलती रहती हैं. अनाधिकृत मोबाइल टावरों के नियमितीकरण के लिए आयुक्त के अनुमोदन से समझौता शुल्क की दरें तय की गई हैं. दर में परिवर्तन को महासभा द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है. इसलिए बिल्डिंग परमिशन विभाग ने यह दरें तय करने का अधिकार कमिश्नर को देने का प्रस्ताव मनपा की सर्वसाधारण बैठक में रखा गया था. उस प्रस्ताव को मनपा आयुक्त एवं प्रशासक शेखर सिंह ने हाल ही में मंजूरी दे दी है. इससे अनाधिकृत मोबाइल टावरों पर जुर्माना लगाने और उन्हें अधिकृत करने का रास्ता साफ हो गया है. शहर में 923 मोबाइल टावर हैं. इनमें 533 अधिकृत हैं, जबकि 390 मोबाइल टावर अनाधिकृत हैं. अनाधिकृत टावर के आकार के आधार पर 1 लाख शमन शुल्क, 10 हजार एडमिनिस्ट्रेशन फीस और डेवलपमेंट फीस लगाकर नियमित किया गया. हालांकि, अब अनाधिकृत मोबाइल टावरों को नियमित करने के लिए दरें तय करने का अधिकार मनपा आयुक्त को दे दिया गया है. – मकरंद निकम सिटी इंजीनियर, मनपा

हफ्ता मांगने वाले गुंडे के गुंडे बेटे पर केस दर्ज

पुणे – बाप जेल में बंद है और अब उसका बेटा हफ्ता मांगता घूम रहा है. इस मामले में लष्कर पुलिस ने उसके खिलाफ केस दर्ज किया है. इस मामले में पुलिस ने अनस फिरोज खान (नि. चुडामन तालीम, भवानी पेठ) के खिलाफ केस दर्ज किया है. इस मामले में रुपेश सोपानराव डाके (उम्र 51, नि. बाबाजान चौक, कैम्प) ने शिकायत दर्ज कराई है. यह घटना बाबाजान चौक के पास राजे चाईनीज फास्ट फुड में 30 जुलाई व 1 अगस्त की रात दस से साढ़े दस बजे के बीच हुई है. इस मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रुपेश डाके का राजे चाईनीज फास्ट फूड नामक होटल है. अनस का पिता फिरोज खान शातिर अपराधी है. कुछ दिनों पूर्व वह जेल से जमानत पर छूटकर बाहर आया था. इसके बाद उसने फिर एक से हफ्ता मांगते हुए घर में घुसकर मारपीट की थी. इसलिए पुलिस ने उसे फिर से गिरफतार कर लिया है. अनस खान 30 जुलाई को डाके के होटल पर आया. उसने हर दिन सौ रुपए हफता देने की मांग की. शिकायतकर्ता ने यह देने से इंकार कर दिया. इस पर उसने कहा कि "अब्बा के जेल से बाहर आने के बाद हर रोज पाच सौ रुपए लेकर जाऊंगा," यह कहकर निकल गया. इसके बाद दूसरे दिन वह फिर से आया. उसने शिकायतकर्ता से कहा कि, "चाचा तुम ख्याल रखो. तुमने मुझे परसो पैसे नही दिए, तुमने गलत काम किया, मैं तुम्हें रुपेश नहीं, रुपेश चाचा बोलता हूं, अभी मैं तुमको दिखाता हूं" ऐसा कहते हुए शिकायतकर्ता से पैसों की मांग कर गाली गलौज कर धमकाया. लष्कर पुलिस ने उसके खिलाफ हफ्ता मांगने का केस दर्ज किया है. पुलिस उपनिरीक्षक गायकवाड मामले की जांच कर रहे है.

मेट्रो रूट्स पर पीएमपीएमएल द्वारा फीडर बस सेवा शुरू

पुणे – पुणे मेट्रो द्वारा वनाज से रूबी हॉल तक और पिंपरी–चिंचवड़ मनपा से शिवाजीनगर सिविल कोर्ट तक सेवा 1 अगस्त से शुरू कर दी गई है. इन दोनों रूट्स पर बुधवार से फीडर बस सेवाएं शुरू की गई हैं, जिन्हें पीएमपीएमएल द्वारा शुरू किया गया है. जिससे नागरिकों के लिए घर से मेट्रो स्टेशन तक पहुंचना और वापस जाना आसान हो जाएगा. पीएमपी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सचिंद्र प्रताप सिंह, मेट्रो के प्रबंध निदेशक श्रवण हार्डिकर ने फीडर सेवाएं प्रदान करने वाली एसी इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाई. इस अवसर पर पुणे मेट्रो के संचालक (वर्क्स) अतुल गाड़गिल, पीएमपी के संयुक्त प्रबंध निदेशक नितिन नार्वेकर, पुणे मेट्रो के सिस्टम और संचालन निदेशक विनोद कुमार अग्रवाल, मेट्रो के जनता संपर्क अधिकारी हेमंत सोनावणे, मेट्रो के डीजीएम मनोज डैनियल, पीएमपी के मुख्य परिवहन प्रबंधक (संचालन) सतीश गव्हाणे, मुख्य अभियंता रमेश चव्हाण, श्रम और जनता संपर्क अधिकारी सतीश गाटे, यातायात योजना संचालन अधिकारी नारायण करडे आदि उपस्थित थे. पुणे मेट्रो द्वारा वनाज से रूबी हॉल और पिंपरी–चिंचवड़ मनपा से शिवाजीनगर सिविल कोर्ट तक मंगलवार से मेट्रो शुरू हो गई है. इन दोनों रूटों पर यात्रियों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. खासकर जब से पिंपरी–चिंचवड़ से शिवाजीनगर तक सीधी मेट्रो शुरू हुई है, तब से हर दिन आने वाले नागरिकों को राहत मिली है. इसी पृष्ठभूमि में अब इन दोनों स्टेशनों से पीएमपीएल की फीडर सेवा शुरू कर दी गयी है. इन बसों का इस्तेमाल दोनों रूटों से शहर के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचने के लिए किया जाएगा. घर से निकलने के बाद कई नागरिक वाहन पार्किंग की समस्या से परेशान रहते हैं. हालांकि, घर से मेट्रो स्टेशन तक सीधी बस सेवा उपलब्ध होने से ऐसे नागरिकों को राहत मिली है. पीएमपीएल ने अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में नागरिक फीडर सेवा का उपयोग करें.

धारदार हथियार से सहायक पुलिस निरीक्षक की नृशंस हत्या

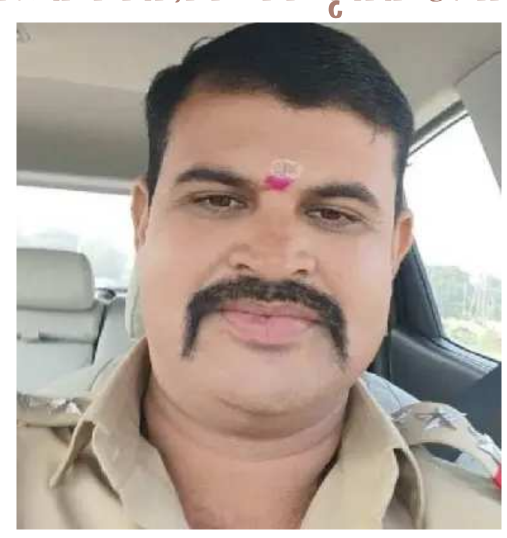

सोलापुर – अज्ञात हमलावरों द्वारा पीछे से आकर धारदार हथियार से बेरहमी से हमला कर सहायक पुलिस निरीक्षक की नृशंस हत्या करने की चौंकाने वाली घटना सोलापुर जिले के सांगोला तालुका में हुई है. यह घटना बुधवार 2 अगस्त की रात वासुद के केदारवाडी रोड में हुई. इस घटना से पुलिस विभाग में खलबली मच गई है. सहायक पुलिस निरीक्षक सूरज विष्णु चंदनशिवे (उम्र–42 नि. वासूद ता. सांगोला) की हत्या हुई है. बुधवार की रात खाना खाने के बाद सूरज अपने घर से कुछ दूर टहलने के लिए गए थे. केदारवाडी रोड पर वे टहल रहे थे. इसी दौरान यहां पर छिपकर बैठे हमलावरों ने सूरज पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया. इसमें उनकी मौत हो गई. टहलने के लिए निकले काफी देर होने के बावजूद सूरज घर नहीं आए तो परिवार के लोग उन्हें ढूंढने लगे. इसी दौरान सूरज का शव वासूद दृ केदारवाडी रोड के पास मिला. परिवार ने इस घटना की जानकारी तत्काल पुलिस को दी. इसके के बाद पुलिस निरीक्षक अनंत कुलकर्णी पुलिस दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे. सूरज के शव को पोस्टमार्टम के लिए सांगोला ग्रामीण हॉस्पिटल भेजा गया है. इस मामले में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

आतंकवादियों को पकड़ने में भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मी एमआईटी डब्ल्यूपीयू द्वारा हुए सम्मानित

राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा वांछित दो आतंकवादियों को कोथरुड के पुलिस कांस्टेबल प्रदीप चव्हाण और अमोल नजल ने अपनी जान जोखिम में डालकर गिरफ्तार किया. एमआईटी वर्ल्ड पीस युनिविर्सिटी की ओर से इन दोनों पुलिस कर्मियों के साथ ही कोथरूड पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक हेमंत पाटिल को सम्मानित किया गया. यूनिवर्सिटी के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. डॉ. वेंशिनाथ दा. कराड एवं हभप तुलसीराम दा. कराड ने उनका विशेष अभिनंदन किया. प्रो. डॉ. वेंशिनाथ दा. कराड ने कहा, एक बार फिर देखा गया कि पुणे पुलिस सक्रिय है और अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए तैयार है. इन दोनों पुलिस कर्मियों का प्रदर्शन निश्चित रुप से सराहनीय है. इनका कार्य वीरता एवं चतुराई का होता है. इन दोनों का प्रदर्शन पुलिस बल में अन्य सभी के लिए प्रेरणा है. इस मौके पर एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिविर्सिटी के कुलपति डॉ. आर. एम. चिटणीस, कुलसचिव गणेश पोकले, रामचन्द्र गोहाड, गिरीश दाते, डॉ. मिलिंद पात्रे, डॉ. महेश थोरवे एवं अन्य उपस्थित थे.

साई सुदर्शन की शतकीय पारी से फाइनल में पहुंची साउथ जोन

युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की नाबाद 132 रन की पारी के दम पर साउथ जोन ने देवधर ट्रॉफी के मैच में मंगलवार को यहां सेंट्रल जोन को 7 विकेट से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। फाइनल में साउथ जोन के सामने ईस्ट जोन की चुनौती होगी। यह मैच गुरुवार को खेला जाएगा। यह साउथ जोन की लगातार पांचवीं जीत है और टीम 20 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है। दूसरे मैच में रियान पराग के शतक और मणिशंकर मूरासिंह के पांच विकेट के दम पर ईस्ट जोन ने वेस्ट जोन को 157 रन से हरा दिया। पराग ने सिर्फ 68 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों से नाबाद 102 रन की पारी खेली। वहीं, एक अन्य मैच में नॉर्थ जोन ने नॉर्थ ईस्ट जोन को 9 विकेट से करारी मात दी। ईस्ट ने नॉर्थ ईस्ट जोन को 32.1 ओवर में 101 रन पर आउट कर दिया और फिर उसके बाद केवल 12.5 ओवर में एक विकेट पर 102 रन बनाकर बड़ी जीत दर्ज की। देवधर ट्रॉफी में इस साल रियान पराग ने तीन मैच में दूसरा शतक जड़ा। पराग ने सिर्फ 68 गेंद में पांच छक्कों और छह चौकों से नाबाद 102 रन की पारी खेली। इससे पहले नॉर्थ जोन के खिलाफ 84 गेंद में शतकीय पारी खेली थी। पराग ने अपनी 131 रन की पारी में 11 छक्के जड़े, जो टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक रहा है। नॉर्थ ने ऑलराउंड खेल दिखाते हुए देवधर ट्राफी के राउंड रोबिन मैच में मंगलवार को नॉर्थ ईस्ट जोन को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। नॉर्थ ने नॉर्थ ईस्ट जोन को 32.1 ओवर में 101 रन पर आउट कर दिया। उसके बाद केवल 12.5 ओवर में एक विकेट पर 102 रन बनाकर बड़ी जीत दर्ज की। नॉर्थ जोन की ओर से स्पिनर मयंक मारकंडे ने 14 रन देकर 4 विकेट, जबकि तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 21 रन देकर तीन विकेट लिए।

चार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ियों ने विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई किया

भारत के चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों ने इस महीने के अंत में हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है जो देश के एथलेटिक्स में बहुत कम देखने को मिला है लेकिन एक खिलाड़ी चोटिल है। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने पहले ही 19 से 27 अगस्त तक होने वाली चैम्पियनशिप के लिए डायमंड लीग चैम्पियन होने के नाते वाइल्डकार्ड से क्वालीफाई कर लिया है। किशोर जेना ने भी विश्व रैंकिंग कोटा हासिल कर लिया है। रोहित यादव और डीपी मनु ने भी विश्व चैम्पियनशिप में 36 भाला फेंक एथलीट की सूची में जगह बनायी। लेकिन रोहित की हाल में उनकी 'थ्रोइंग' बांह में सर्जरी हुई है और वह विश्व चैम्पियनशिप में नहीं खेल पायेंगे। एक देश प्रत्येक स्पर्धा में तीन एथलीट उतार सकता है लेकिन इनकी संख्या में इजाफा हो सकता है बशर्ते कोई वाइल्ड कार्ड के जरिये जगह बना ले।

फ्रेंडशिप डे पर सोनी सब कलाकारों के विचार

सच्ची दोस्ती एक खूबसूरत और फायदेमंद बॉन्ड है, जो अच्छे और बुरे दोनों समय में हमारे जीवन को रोशन करती है। चाहे आपका एक बेस्ट फ्रेंड हो या करीबी दोस्तों का समूह हो, वे आपके दिल में खास जगह रखते हैं, आपके मुश्किल भरे दिनों को उज्ज्वल करते हैं और आपके सबसे खुशी भरे पलों को और भी खास बनाते हैं। सोनी सब शो के लोकप्रिय कलाकारों ने फ्रेंडशिप डे और बहुत कुछ के बारे में अपनी बचपन की यादें साझा कीं। सोनी सब के वंशज में युविका का किरदार निभाने वाली अंजलि तत्रारी ने कहा, "मेरे लिए फ्रेंडशिप डे उस सबसे अनमोल रिश्ते की हार्दिक याद दिलाता है जो हमारे जीवन को रंग देता है। मेरे लिए, यह रिश्ता दोस्ती के पारंपरिक अर्थों से परे है। युविका के लिए उसकी मां भूमि उसकी सबसे बड़ी ताकत और उसकी सबसे अच्छी दोस्त हैं। वह हर सुख–दुख में उसके साथ रही है, हर चुनौतीपूर्ण स्थिति में हमेशा उसके साथ खड़ी रही है। व्यक्तिगत रूप से, मेरा मानना है कि फ्रेंडशिप डे लोगों के उस अटूट रिश्ते का जश्न मनाने का दिन है जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता है। मुझे लगता है कि मैं काफी भाग्यशाली हूं कि मुझे मेरे ऑन–स्क्रीन भाई बुनीत के रूप में एक अच्छा दोस्त मिला।" सोनी सब के वंशज में नील की भूमिका निभाने वाले मोहित कुमार ने कहा, "सच्चे दोस्त हमेशा आपके लिए मौजूद रहते हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। वे ही हैं जो आपके गिरने पर आपको संभालेंगे और आपके साथ आपकी सफलताओं का जश्न मनाएंगे। अपने शो वंशज की शूटिंग के दौरान, मैं बेहद भाग्यशाली रहा हूं कि मुझे न केवल असाधारण सह–कलाकार मिले, बल्कि अंजलि और जान के रूप में सच्चे दोस्त भी मिले। सेट पर और बाहर हमारा सौहार्द एक अटूट बंधन में बदल गया है, जहां हम एक साथ हंसते हैं, एक–दूसरे को आगे बढ़ने में मदद करते हैं और अनगिनत यादें बनाते हैं।" सोनी सब के दिल दियां गल्लां में अमृता का किरदार निभाने वाली कावेरी प्रियम ने कहा, "इस खास फ्रेंडशिप डे पर, मैं स्क्रीन से बढ़कर मेरे दिल तक फैले हुए सौहार्द की खुशी का जश्न मनाती हूं। दिल दियां गल्लां के सेट पर काम करते हुए, मुझे कुछ शानदार दोस्तों से मिलने और उनसे दोस्ती करने का सौभाग्य मिला है, और हेमा सूद के साथ मेरा ऑफ–स्क्रीन रिश्ता किसी जादू से कम नहीं है। हम सिर्फ सह–कलाकार नहीं हैंय हम समान विचारधारा वाले लोग हैं, जो हंसी, सपने और हमारे प्रशंसकों के चेहरे पर मुस्कान लाने वाली रील बनाने का जुनून साझा करती हैं। साथ मिलकर, हमने एक मजबूत सिस्टरहुड बनाया है जो हर दिन दोस्ती का जश्न बनाता है।" सोनी सब के दिल दियां गल्लां में रिया का किरदार निभाने वाली हेमा सूद ने कहा, "हर किसी के जीवन में कई तरह के रिश्ते होते हैं, और मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मेरी सबसे अच्छी दोस्त – कावेरी मेरी सह–कलाकार भी है, जो दिल दियां गल्लां में मेरे साथ काम करती है। हमारे बीच का बंधन और विश्वास अद्भुत है, जिस कारण से हम एक–दूसरे के साथ काफी गुणवत्तापूर्ण समय बिताते हैं। मुझे पता है कि जब वह मेरे आसपास होंगी, तो मेरी सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। इस साल, फ्रेंडशिप डे के लिए, मैं अपने दोस्तों के साथ लंच करने की योजना बना रही हूं क्योंकि यह हमारे बीच के इस प्यार बंधन का जश्न मनाने का दिन है। इसलिए, इस दिन मैं कुछ धमाकेदार करने की योजना बना रही हूं क्योंकि मुझे मेरे उन दोस्तों और उन सभी लोगों के साथ मिलकर यह दिन मनाने का मौकाध मिलेगा, जिनसे मैं बेहद प्यार करती हूं।" सोनी सब के दिल दियां गल्लां में वीर का किरदार निभाने वाले पारस अरोड़ा ने कहा, "मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं कि दिल दियां गल्लां के सेट पर मुझे इतने शानदार सह–कलाकारों, कावेरी और हेमा के साथ काम करने का मौका मिला है। हमारा ऑफस्क्रीन रिश्ता एक अटूट दोस्ती में बदल गया है और हम साथ मिलकर हर तरह से एक–दूसरे का समर्थन करते हैं और बेहतर बनने में एक–दूसरे की मदद करते हैं। मेरे जीवन में उनकी उपस्थिति हमारे प्रदर्शन में खुशी और प्रामाणिकता लाती है, जिससे सेट पर और सेट के बाहर हर पल वास्तव में विशेष हो जाता है।" सोनी सब के बालवीर 3 में काशवी का किरदार निभाने वाली अदिति सानवाल ने कहा, "सच्ची दोस्ती एक प्यारा और फायदेमंद रिश्ता है जो सुख और दुख दोनों समय में हमारे जीवन में खुशी लाता है। बालवीर 3 के साथ, मुझे एक शानदार टीम के साथ काम करने का सौभाग्य मिला है, और हम ऑफ–स्क्रीन भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। शो के माध्यम से, मुझे देव के रूप में एक बहुत अच्छा दोस्त मिला है जो हमें अपने सीन्स को बेहतर ढंग से परफॉर्म करने में मदद करता है। दोस्ती की इस सच्ची ताकत के कारण, हम ऑनस्क्रीन और ऑफ–स्क्रीन बहुत सुंदर यादें बना पाते हैं। दोस्ती की इस प्यारी भावना को सलाम, जो हमारे जीवन में खुशियां बढ़ा रही है!" वंशज, दिल दियां गल्लां और बालवीर देखते रहें, केवल सोनी सब पर

सनी देओल की 'गदर–2' ने रिलीज से पहले कमाए लगभग 1.10 करोड़

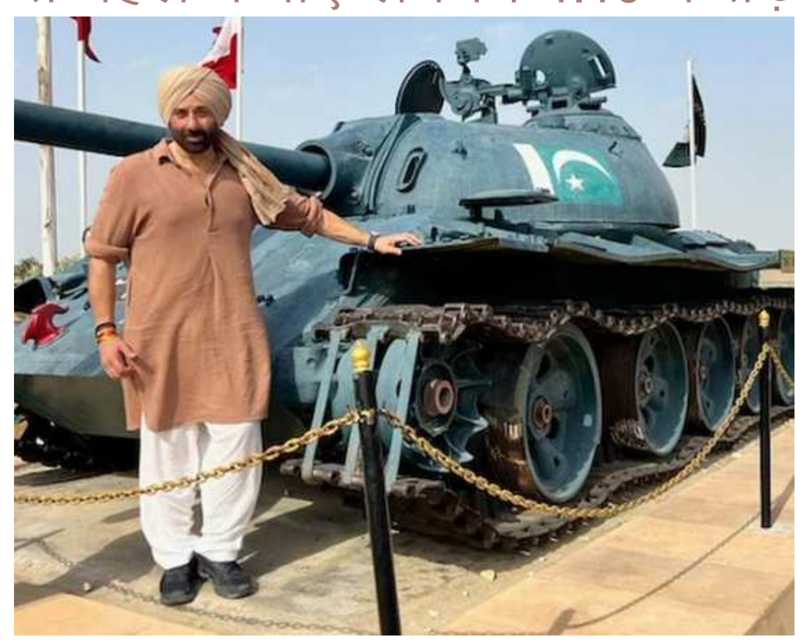

सनी देओल पर्दे पर एक बार फिर से गदर मचाने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। उनकी फिल्म 'गदर 2' जल्द ही बॉक्स ऑफिस पर दस्तक देगी। इस फिल्म के साथ 22 साल बाद सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी फैंस को देखने को मिलेगी। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी इस फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है और मूवी का फैंस को कब से इंतजार था इस बात का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि 'गदर 2' ने पहले ही दिन 35 लाख की कमाई कर ली है। रिलीज से पहले ही दो दिनों में ये फिल्म करोड़ों का आंकड़ा पार कर चुकी है। सनी देओल की फिल्म 'गदर 2' की एडवांस बुकिंग काफी अच्छी चल रही है। जयपुर के राज मंदिर थिएटर में तो फिल्म की हफ्ते भर के लिए बुकिंग फुल हो चुकी है। सनी देओल की 'गदर 2' की एडवांस बुकिंग 1 अगस्त को शुरू हुई थी। ओपनिंग डे पर इस फिल्म की 10 हजार के करीब टिकट बिकी थी, जिसमें फिल्म ने करीबन 35 लाख का बिजनेस किया था। अब सैनलिक.कॉम की रिपोर्ट की मानें तो दूसरे दिन 'गदर 2' की एडवांस बुकिंग में काफी उछाल देखने को मिला और इस फिल्म की अब तक 40 हजार के आसपास टिकट बिक चुकी है। रिलीज के सात दिन पहले 3 अगस्त तक 'गदर–2' लगभग 1.10 करोड़ के लगभग बिजनेस किया है। 'गदर 2' की एडवांस बुकिंग में कमाई हो रही है, उसे देखते हुए यही अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद बॉक्स ऑफिस पर करीब 25 करोड़ से ओपनिंग कर सकती है। आपको बता दें कि ये इस बार गदर 2 में सनी देओल अपने बेटे जीते उर्फ उत्कर्ष शर्मा को लाहौर से लाने की लड़ाई लड़ते हुए नजर आएंगे। फिल्म में कई नए चेहरे दिखाई देंगे। सनी देओल की 'गदर 2' बॉक्स ऑफिस पर 'ओह माय गॉड–2' के साथ बॉक्स ऑफिस पर टकराएगी।

CAYM EDUCATION TRUST'S
SIDDHANT INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT
Approved by AICTE, New Delhi, Affiliated to Savitribai Phule Pune University and Recognized by Govt. of Maharashtra
NAAC Accredited Institute
ADMISSIONS OPEN :2023-2024
Applications are invited from interested & eligible candidates for Two years full-time Post Graduate Degree Course
Master of Business Administration
{MBA)
{DTE Code: 6134)
One of the best infrastructure college in Pune & 100% Placement
Website :www.siddhantibm.in
CONTACT FOR ADMISSIONS :
Dr. Pratap Pawar- 9423270598/9359890914
Address: Chakan Talegaon Road,Near Chakan Auto Hub,Sudumbare, Pune